ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

सफलता प्राप्त करने का साधन -
सब कुछ सफल करो..

SpARC

अभी तो अपने पुरूषार्थ व अपने तन के लिए समय देना पड़ता है, शक्ति भी देनी पड़ती है। अपने पुरूषार्थ के लिए मन भी लगाना पड़ता है, फिर यह स्टेज समाप्त हो जायेगी। फिर यह पुरूषार्थ बदली होकर ऐसा अनुभव होगा कि एक सेकेण्ड भी और एक संकल्प भी अपने प्रति न जाय बल्कि विश्व के कल्याण के प्रति ही हो। ऐसी स्टेज को कहा जायेगा - 'सम्पूर्ण' अर्थात् 'सम्पन्न'। अगर सम्पन्न नहीं तो सम्पूर्ण भी नहीं। क्योंकि सम्पन्न स्टेज ही सम्पूर्ण स्टेज है। तो ऐसे अपने पुरूषार्थ को और ही महीन करते जाना है। विशेष आत्माओं का पुरूषार्थ भी ज़रूर न्यारा होगा। तो क्या पुरूषार्थ में ऐसा परिवर्तन अनुभव होता जा रहा है?

बापदादा - 13/04/1973

"विस्तार को देखते भी न देखें, सुनते हुए भी न सुनें"

अगर कोई भी बातों के विस्तार को देखते तो विघ्नों में आते - और सार अर्थात् एक बिन्दु रूप स्थिति बन जाती और फुलस्टाप अर्थात् बिन्दु लग जाती। कर्म में भी फुल स्टापअर्थात् बिन्दु। स्मृति में भी बिन्दु अर्थात् बीजरूप स्टेज हो जाती। यह विशेष अभ्यास करना है। विस्तार को देखते भी न देखें, सुनते हुए भी न सुनें - यह प्रैक्टिकल अभी से चाहिए। तब अन्त के समय चारों ओर की हलचल की आवाज़ जो बड़ी दुःखदायी होगी, दृश्य भी अति भयानक होंगे - अभी की बातें उसकी भेंट में तो कुछ नहीं हैं - अगर अभी से ही देखते हुए न देखना, सुनते हुए न सुनना यह अभ्यास नहीं होगा तो अन्त में इस विकराल दृश्य को देखते एक घड़ी के पेपर में सदा के लिए फेल मार्क्स मिल जावेगी। इसलिए यह भी विशेष अभ्यास चाहिए। ऐसी स्टेज हो जिसमें साकार शरीर भी आकारी रूप में अनुभव हो।

किसी ने गलती की, हमने शिक्षा दी,
वह शिक्षा को स्वीकार नहीं करते।
शिक्षा देने की विधि है –
पहले क्षमा करना, फिर शिक्षा देना।
क्षमा – उनकी गलती अपने चित्त पर नहीं,
Pure Vibrations के साथ शिक्षा देंगे,
सच्चा प्यार, पत्थर को भी पानी कर देता है।

शिक्षा देकर क्षमा नहीं करना
क्षमा करके फिर शिक्षा देना

- B K S H I V A N I

facebook.com/BKShivani
youtube.com/BKShivani

खुश रहने का मतलब ये नही है
की सब कुछ ठीक है
इसका मतलब यह है की आपने
अपने दुखो से उपर उठकर
जीना सिख लिया है

ईश्वर से बेहतर
दोस्त हो ही नहीं
सकता।

"I am a YOGI SOUL ...

My every thought ... every word
is a blessing for people and situations.
I eat only prasad ... satvik food,
cooked and consumed with divine feelings.
The money I earn is pure.
I sleep early and wake up early.

I benefit from a Yogic Lifestyle."

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org